Seventeenth Loksabha

an>

Title : Regarding expeditious disposal of petitions on Citizen Amendment Act by Supreme Court.

श्री विवेक नारायण शेजवलकर (ग्वालियर): गत दिनों भारत की राजधानी दिल्ली के अनेकों क्षेत्रों में हुई हिंसा व आगजनी की व्यापक घटनाओं से सारा देश आहत हुआ है । जिस समय राजधानी में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप का दौरा हो उसी समय इन घटनाओं का घटित होना एक कथित सोची समझी रणनीति के अंतर्गत रचा गया षड्यंत्र है । उपद्रवियों के घरों व ठिकानों से, पेट्रोल, पेट्रोल बम, एसिड के पाऊचेज बरामद किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि तैयारी काफी पहले से की जा रही थी । यह भी अत्यंत खेद की बात है कि हमारा खुफिया व सुरक्षातंत्र भी इस बात से बेखबर था ।

जब से सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) आया है, देश के मुस्लिम भाई बहनों के मन में जहर भरने का काम, देश को तोड़ने वाली ताकतों ने शुरू कर दिया । यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि केवल प्रधानमंत्री मोदी जी का विरोध करने के लिए तथा कथित बुद्धिजीवी व प्रगतिशील लोगों ने सीएए के बारे में असलियत जानते हुए भी इस संबंध में सरासर झूठ परोस कर आग में घी डालने का काम किया । जिस कानून का मतलब देश के किसी भी नागरिक से नहीं है, किसी भी नागरिक का कोई अधिकार इससे छिनने वाला नहीं है, यह बांग्लादेश, पाकिस्तान व अफगानिस्तान के नागरिकों को नागरिकता देने वाला कानून है, किसी भी नागरिक की नागरिकता समाप्त करने वाला यह कानून नहीं है, यह सब होते हुए भी एक नॉन इशू के आधार पर स्थान- स्थान पर आंदोलन किये जाना समझ से परे है । यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मीडिया सीएए के बारे में लोगों को जानकारी देने के बजाय सारी चर्चा आंदोलन, हेट स्पीचेस व आरोप- प्रत्यारोपों पर करती रही । सीएए के विरुद्ध अनेकों याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय में दायर हुई हैं । इनका शीघ्र निपटारा न किए जाने के कारण

भड़काने वाली कार्यवाही करने व महिला व बच्चों को आगे कर स्थान-स्थान पर सड़क रोकने जैसे आंदोलन करने वालों को प्रोत्साहन ही मिल रहा है ।

सीएए संविधान विरोधी नहीं है । इसे लागू करने से न तो संविधान की किसी भी धारा का उल्लंघन होता है और न ही यह संविधान के मूल स्वरूप में किसी प्रकार दखल है । यह बात अतिशीघ्र न्यायालय में सिद्ध हो यही देश हित में होगा । सरकार को इस विषय में कानूनविदों से विचार विमर्श कर इस हेतु यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठाना चाहिए तभी इस समस्या का समाधान होगा जिससे देश में शांति, एकता व सद्भावना स्थापित होगी ।